Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन जुलाई २०१५

आज जीओ
परंतु अनंतकाल की योजना करो

हम लमहों में जीते है। लेकिन हमारा चलन – चाहे अच्छा हो या बुरा – वो ऐसे तरंग पैदा करते है जो अनंतकाल तक जाते है। पवित्र शास्त्र कहता है कि जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वह स्वर्ग में बंधेगा (मत्ती १८:१८)। इसलिए हम जो भी करते है, या बोलते है, वह मापना है। कुछ भी करने या बोलने से पहले, हमेशा अपने आपको याद दिलाओः "मैं यह अनंतकाल के लिए कर रही हूँ। यह हमेशा के लिए है।" आप किसी से यह मत बोलो कि आप उससे प्यार करतो हो जब तक आप यह निश्चय नहीं करते कि आप उसे अनंतकाल तक प्यार करोगे। लेकिन अगर आप किसी लमहे में फँस कर ऐसा करते हो, तो आप अपना समय और कोशिश दोनो बर्बाद करते हो। अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो, जहाँ कोई कीड़ा या कोई और बिगाड नहीं सकता और जहाँ चोर सेंध नहीं लगा सकता और ना चुरा सकता है। (मत्ती ६:१९)

हम परमेश्वर के राज्य के लोग है। हम किसी संस्कृति, परंपरा, धार्मिकता, अधिमान, इत्यादी के लोग नहीं है। हम केवल परमेश्वर को ही मानते है, और हमारा मुख्य उद्देश्य केवल परमेश्वर के राज्य को बढ़ाना है। वही हमारा बुलावा है।

कालेब याद है? जब मूसाने बारा भेदियों को वादे के भूमी का निरक्षण करने भेजा, तब उनमें से दस नकारात्कम खबर के साथ आए। उन्होंने कहा कि "वह भूमी बलवानों से भरी पड़ी है और उस पर विजयी पाना असंभव है।" परंतु यहोशूआ और कालेबने सकारात्मक खबर दी। उन दोनोंने कहा "वह भूमी अच्छी है। हम अभी जाकर उसे अपना बना लेंगे; क्योंकि निःसंदेह हम में ऐसा करने की शक्ति है। " पर, इस्त्राएलि उन्हें पत्थर मारना चाहते थे। जिसकी वजह से, परमेश्वर उनसे असंतुष्ठ हुए और उस पीढ़ी के लोगों को ४० साल तक जंगल में भटकाए रखा। केवल यहोशूआ और कालेब ही उस वादे की भूमी पर प्रवेश कर सके।

आखिर जब इस्त्राएलियोंने वादे के भूमी पर प्रवेश किया, कालेब यहोशू के पास गया और कहा, "मूसाने शपथ खाकर मुझ से कहा, 'तू ने पूरी रीति से मेरे परमेश्वर यहोवा की बातों का अनुकरण किया है, इस कारण निःसंदेह जिस भूमि पर तू अपने पाँव धर आया है वह सदा के लिये तेरा और तेरे वंश का भाग होगी। अब देख, जब यहोवा ने मूसा से यह वचन कहा था, तब से पैंतालिस वर्ष हो चुके हैं, उनमें यहोवा ने अपने कहने के अनुसार मुझे जीवित रखा है; और अब मैं पचासी वर्ष का हूँ। जितना बल मुझ में उन दिनों था जब मूसा मुझे युद्ध के लिए भेजते थे, उतना ही बल आज भी मुझ में हैं। इसलिये अब वह पहाड़ी मुझे दे जिसकी चर्चा यहोवा ने उस दिन की थी; तू ने तो उस दिन सुना होगा कि उसमें अनाकवंशी रहते हैं, और बड़े बड़े गढ़वाले नगर भी हैं; परंतु क्या जाने संभव है कि यहोवा मेरे संग रहे, और उसके कहने के अनुसार मैं उन्हें उनके देश से निकाल दूँ।"

तब यहोशू ने उसको आशीर्वाद दिया; और उसे हेब्रोन की पहाड़ी विरासत में दे दी। और कालेब ने उन बलवानों को हराया और उस भूमी को अपना बना लिया।

कालेब हमारे लिए एक सबक है, कि हम परमेश्वर के वादों को छोडे नहीं; कभी भी परमेश्वर की सेवा से निवृत्त न होना; और अपने शत्रुओं से कभी भाँगना नहीं! पैंतालिस साल पहले कालेब को जमीन का एक टुकड़ा देने का वादा किया गया था। उस वादे के पश्चात, चालीस साल तक वह असंतुष्ट, विश्वासघाती और शिकायत करनेवाले, एक झुँड के लोगों के साथ जंगल में भटक रहा था। तब यहोशू के नेतृत्व में, कालेबने पाँच साल कनानियों के राज्य के विरुद्ध एक सैनिक के रुप में लढ़ते हुए बिताए। फिर भी, ४५ साल बाद भी, वह परमेश्वर के वादे पर दृढ़ रहा। और आखिर में, उसने वह पाया जिसका वादा परमेश्वरने उससे किया था।

कहानी की सीख यह हैः परमेश्वर के वादे अनंतकाल के लिए होते है। और जब वे आपसे कोई वादा करते हैं, तब आप उस वादे को छोड़ना नहीं, दटे रहना!

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

डायरी एक मंझले की

बाथरुम में गाने के बारे में...

बचपन में छोटे होने की वजह से हम चिड़चिड़े थे, हमारे नखरे थे और मूर्ख बातों पर कराहते थे, जो हमे सताती थी। लेकिन उस पल की खूबसूरत बात यह थी कि हम सही मायने में जो महसूस करते थे वो ही व्यक्त करते थे। ऐसा एक भी वक्त नहीं था जब हमने अपनी भावनाओं को बेईमानी से प्रस्तुत किया हो।

बड़े हुए, ठीक है, तुम्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि तुम किससे मिलोगे और किन चीजों का सामना करोगे। अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की सच्चाई घटती जाती है, और ऐसा करने के पीछे सबका कारण यह है: सच्चे भाव से विचलित होना – सच्चाई – सिर्फ इसलिए क्योंकि हमे लगता है कि हम खुद को बचा रहे हैं। जरा मुझे बताओ, ऐसा कुछ भी है, जो अज्ञानता, छल या झूठ से उत्पन्न हुआ हो?

हाल ही में, मेरी जिज्ञासा के कारण मै एक असुखद परिस्थिति में फस गयी जहाँ मेरे आसपास अंजान लोग थे। मेरा सामना कभी भी ऐसे समाज से नहीं हुआ था, जहाँ न चाहते हुए भी आपको जबरदस्ती मुसकुराना पड़े... जबरदस्ती बकवास की बातों में शामिल होना जबकी आपको वह जरुरी ना लगे... या आँखों के सामने होने वाली परिस्थिति के बारे में झूठा दावा करना पडे... सच्चाई से इन्कार करना और आंतरिक संघर्ष से सामना न करना। इसलिए मैं बहुत हैरान थी जब मेरा सामना एक ऐसे व्यक्ति से हुआ जो एक अंजान होने का ढोंग कर रहा था, जबकी मैं उसे आरपार देख सकती थी!!!

धीरज, प्रार्थना, समय और निजी जगह – इन चार चीजों की वजह से मैं उस अंदरुनी लढ़ाई को पार कर सकी जिसका सामना मैं अकेले कर रही थी। मैं बोल रही हूँ, अकेले लेकिन असहाय नहीं।

धीरज की आवश्यकता है, ताकि आप चुप रह सके, शांत रहने के लिए, उस आक्रामकता टकराव को रोकने के लिए – जो गर्मी हमारे जवान रगों में उबलती है, खुद को इकट्ठा करने के लिए, सहन करने के लिए, बीते हुए जीवन की कीचड को सामने देखने के लिए, धीरता ही हमारी ताकत है।

प्रार्थना, हमारा औजार, हमारा अभ्यास – कुछ चीजें जो लगातार हमारे दिमाग में फुसफुसाटे रहते है, कुछ ऐसा जो हमारे विश्वास, आशा और भरोसे को निश्चित रखता है, कुछ ऐसी चीज जो आपके हाथों को नेक दिशा की ओर बढ़ाता है, कुछ जो हमारे धीरज में साहस जोड़ता है।

समय, बहुत सी बार हम इस सकड़ से गुजरते है। हमे ऐसे चलने की जरुरत है, जो राहत से भरी हो ताकि हम मानसिक रुप से वर्तमान से एक बहतरीन मुकाम की ओर चले, भविष्य में एक बहतरीन जगह, और पिछे मूडकर देखे और दूर से हमारी स्थिति पर आत्मविश्लेषण कर सके। समय एक ऐसी चीज है, जो हमे एक बहतरीन दृष्टिकोण देता है, इसके एवज जब हम गुस्से से उत्तेजित होते है, तब हम अपना अतीत देखते है!

निजी जगह... कभी कभी हम चीजों को महत्व नहीं देते, और कभी कभी हमे कुछ दिया जाये तो उसे तुरंत छीन लेते है। निजी जगह वह स्थान है जहाँ आप खड़े रह सकते हो, सहन कर सकते हो और बिना न्याय के अपने अंदर के दानव का सामना कर सकते हो, ऐसी जगह जहाँ आप साँस ले सकते हो, मनन कर सकते हो, और आईने के सामने एल्विस की तरह नाच भी सकते हो, और साथ ही ब्रूनो मार्स के गीत गा सकते हो... लेकिन, निजी जगह यह समय एक ऐसा स्थान है, जो आप खुद के आजादी के लिए तैय करते है, कीचड़ से बाहर निकल सको, और जी लो। अब यहाँ पर एक इमांदार प्रार्थना की जा सकती है।

पर, मेरे कमरे पर कबजा हुआ था और सभी जगह जहाँ भी मैने भागना चाहा, वह मन भटकाने और असुविधा से घिरी थी जहाँ मैं साँस भी नहीं ले पा रही थी और ना ही मन चाहा प्रार्थना कर पा रही थी...

खैर, जब सबकुछ नाकाम होता है (रजनीकांत की आवाज में) "टेक ए शावर, आय से!!!"

बाथरुम ही एक ऐसी जगह है जो मेरे काम आयी। वह साबून की महक, शरीर साफ करने की क्रिया, जो प्रार्थना मैने की उसने मेरे मन को शुद्ध किया, और मेरी बाथरुम सिंगर कि आवाज के साथ मैने एक चिंतामुक्त गीत भी जोड़ा और देखा, अंदाजा लगाओ, कौन दुनिया का सामना करने के लिए तैयार है??? एक साफ और तरोताजा मन। "यह भी गुजर जाएगा," मैने अपने मन में मान लिया।

और मैने अपनी समस्या का सामना किया, मेरे मुह से सही शब्द, मधुर संगीत के जैसे निकले, उस स्वर से सारा गुस्सा मिट गया, जादू की तरह इस मुद्दे को नहीं सुलझाया। लेकिन हो सकता है, उसे एक राह देना ताकि वह आगे बढ़ सके, ताकि वह आशा देख सके, कम से कम कुछ नया सिख सके और एक बेहतर दिन देख सके।

इसलिए, जब आगे गुजरना कठिन हो, और कठिनाईयों से आगे गुजरना मुश्किल हो, टेक ए शावर, आय से!!!

अगली बार तक! अच्छे से नहा लो!! ओह! मेरे कहना का मतलब है आपका महीना अच्छा हो!

– बी. एम. एम. युथ

परमेश्वर के वादों के जरिए रुपांतर

भाग ७

जीवन की समृद्धि जो 'परमेश्वर के वचन' में और वचन से बहती है, वह सचमुच अद्भुत है! और यह मौजूद है और उपलब्ध भी। तो क्या यह मूर्खता नहीं होगी कि हम इन्हें हासिल करके इनका उपयोग ना करें? यह मौजूद और उपलब्ध भी है। यह कुछ बहुमूल्य वादे है जिनके बारे में मैं आपसे आग्रह करता हूँ, कि आप इन्हें याद करें और आपके जीवन के विभिन्न परिस्थितियों में इनका उपयोग करें:

➤ जब खतरे से सामना हो

"मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ; मैं तुझे दृढ़ करूँगा और तेरी सहायता करूँगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे संभाले रहूँगा। देख, जो तुझ से क्रोधित हैं वे सब लज्जित होंगे; जो तुझ से झगड़ते हैं उनके मुँह काले होंगे और वे नष्ट होकर मिट जाएँगे। जो तुझ से लड़ते हैं उन्हें ढूँढ़ने पर भी तू न पाएगा; जो तुझ से युद्ध करते हैं वे नष्ट होकर मिट जाएँगे। क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा, तेरा दाहिना हाथ पकडकर कहूँगा, "मत डर, मैं तेरी सहायता करूँगा।" (यशायाह ४१:१०-१३)

➤ जब आप थक गए हो

"क्या तुम नहीं जानते? क्या तुमने नहीं सुना? यहोवा जो सनातन परमेश्वर और पृथ्वी भर का सिरजनहार है, वह न थकता, न श्रमित होता है, उसकी बुद्धि अगम है। वह थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है। तरुण तो थकते और श्रमित हो जाते हैं, और जवान ठोकर खाकर गिरते हैं; परंतु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे। (यशायाह ४०:२८-३१)

➤ जब आप गंभीर मुसीबत का सामना कर रहे हो

"जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूँगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आँच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।" (यशायाह ४३:२)

➤ जब आपको अन्यायपूर्वक सताया जा रहा हो

"तौभी यहोवा इसलिये विलंब करता है कि तुम पर अनुग्रह करे, और इसलिये ऊँचे उठेगा कि तुम पर दया करे। क्योंकि यहोवा न्यायी परमेश्वर है; क्या ही धन्य हैं वे जो उस पर आशा लगाए रहते हैं।" (यशायाह ३०:१८)

➤ जब आपको ठुकराया गया हो

"क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूधपीते बच्चे को भूल जाए और अपने जन्माए हुए लड़के पर दया न करे? हाँ, वह तो भूल सकती है, परंतु मैं तुझे नहीं भूल सकता। देख, मैंने तेरा चित्र अपनी हथेलियों पर खोदकर बनाया है; तेरी शहरपनाह सदैव मेरी दृष्टि के सामने बनी रहती है।" (यशायाह ४९:१५-१६)

➤ जब आपको आर्थिक या कोई दूसरी जरुरत हो

"मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह येशू में है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।" (फिलिप्पियों ४:१९)

और दूसरें भी वादे है, जब:

परमेश्वर का पूर्ण नियंत्रण

"हम जानते है कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।" (रोमियों ८:२८)

स्वर्गीय मालिक के साथ रहना

"और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।" (यूहन्ना १४:३)

"क्योंकि मेरे लिये जीवित रहना मसीह है, और मर जाना लाभ है। पर यदि शरीर में जीवित रहना ही मेरे काम के लिये लाभदायक है तो मैं नहीं जानता कि किसको चुनूँ। क्योंकि मैं दोनों के बीज अधर में लटका हूँ; जी तो चाहता है कि कुछ करके मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है।" (फिलिप्पियों १:२१-२३)

सर्वश्रेष्ठ और अनंत आनंद

"वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी; पहली बातें जाती रहीं।" (प्रकाशितवाक्य २१:४)

"फिर स्त्राप न होगा, और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा और उसके दास उसकी सेवा करेंगे। वे उसका मुँह देखेंगे, और उसका नाम उनके माथों पर लिखा हुआ होगा।" (प्रकाशितवाक्य २२:३-४)

"निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी; और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूँगा।" (भजन संहिता २३:६)

महान चीजें

"मुझ से प्रार्थना कर और मैं तेरी सुनकर तुझे बड़ी-बड़ी और कठिन बातें बताऊँगा जिन्हें तू अभी नहीं समझता।" (यिर्मयाह ३३:३)

वचन करता है! वचन का स्वीकार करो!

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

क्या आप प्रेमी हो या वासनात्मक हो ?

इसपर विचार करोः आप गाड़ी खरीदने से पहले अलग अलग आडियाँ चलाकर देखते हो, या कपड़े खरीदने से पहले उन्हे पहनकर देखते हो। तो निश्चित है, कि रिश्ते की वह बड़ी गाँठ बाँधने से पहले, आप अलग अलग लोगों को भी परख कर देखे, ठीक है ना?

गलत!

आप कपड़े खरीदने से पहले पहन कर जाँचते हो क्योंकि वह दरजी (टेलर) ने खास आपके लिए नहीं बनाया हैः परंतु वह सामूहिक उपभोग के लिए बनाया गया है। इसलिए सचमुच पहनकर देखना पड़ता है, कि आपको कौनसा फिट होगा और अच्छा दिखेगा। दूसरी बात, यह चीजें मनुष्यों ने उत्पन्न कि है, इसलिए यह हमेशा सिद्ध नहीं होती।

मगर, शादी, यह विषय परमेश्वर का है। प्रभू परमेश्वरने उनकी दिव्य और सिद्ध बुद्धि से, एक सही जीवनसाथी खास तौर पर आपके लिए रचा और पहले से ही चुना है। इसलिए जैसे आप "वस्तुएँ परखते हो " या फिर कपड़े जाँचते हो उस रीति से लोगों को मत जाँचो। तलाक के बढ़ते हुए आकड़ों का कारण लोगों का शादी के वषय में यही मनोभाव है, कि "कोशिश करके देखते है शायद यह काम कर जाए"। इसके अलावा, इन दिनों, बहुत सी शादियाँ प्यार के बजाय वासनापर आधारित होती है। खैर, अंदाजा लगाओ? अगर आप उस व्यक्ति से सचमुच प्यार नहीं करते जिससे आप शादी कर रहे हो, तो तुरंत या कुछ समय बाद, आप खूबसूरती, पैसे, फैंसी कार, इत्यादी चीजों से थक जाओगे। वासना हमेशा थक जाती है। परंतु जो अनंतकाल तक रहता है, वह है, प्यार।

तो, अगर आपको पूछना है, तो सही सवाल यह हैः क्या आप प्रेमी हो या वासनात्मक हो? और अगर आप कहते हो कि आप प्रेमी हो, तो क्यों आप अपने आपको उस एक व्यक्ति के लिए बचाकर नहीं रखते, जिसे परमेश्वरने आपके लिए चुना है? अगर आप नहीं चाहते कि आपको इस्तेमाल की हुई चीज मिले, तो आप खूद क्यों वैसे बनते हो? क्या आप प्रेमी हो या वासनात्मक हो?

– संपादकीय डेस्क

Live in the Spirit

Broadcast Timing & Channel No.

Lemon TV News : Daily 10.30 p.m.

Hathway - 223, In Cable - 561

BIG J TV : Daily 11 a.m. & 9 p.m.

Hathway - 878, Digi Cable - 478

Den Cable - 638

Rophe TV (GOA) : Daily 1 & 8.30 p.m.

Rophe TV (KOLHAPUR) : Daily 7.30 a.m. & 9 p.m.

KIDS' Corner

Find the words

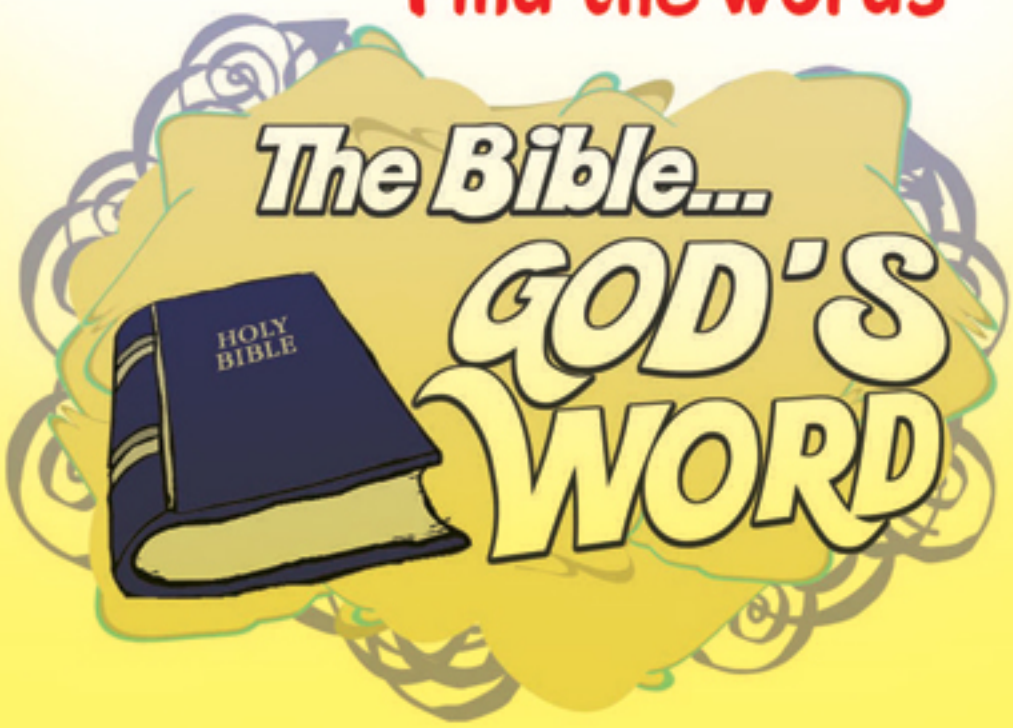

N	H	R	B	Y	A	M	E	Y	L	O	H
M	A	L	M	R	R	J	M	A	K	E	V
Y	L	X	O	I	D	A	F	X	T	C	H
O	O	A	T	T	J	U	M	R	D	N	C
S	H	N	A	R	S	P	I	R	I	T	A
E	N	G	Y	E	B	Z	S	U	S	E	J
L	T	E	T	G	A	S	B	L	O	O	D
T	Z	L	I	N	A	D	B	M	A	L	U
S	G	Y	N	A	N	E	V	A	E	H	K
O	C	I	I	M	C	R	C	E	J	U	N
P	D	V	R	H	P	E	S	O	J	M	Y
A	G	M	T	S	S	O	R	C	C	G	M

JESUS
MARY
HALO
MANGER
LAMB
JOSEPH
HOLY
ANGEL
TOMB
SPIRIT
HEAVEN
CROSS
BLOOD
APOSTLES
TRINITY

सभी चीजें उनके नियुक्त समय में होती है

एक विषेश समय में, इस धरती पर एक नया जन्म होता है,
तो उसी समय, इस धरती से किसी का अल्विदा भी होता है।
एक छोटे शहर में, एक नयी शादी हो रही है,
तो उसी समय, एक नया तलाक भी हो रहा है।
धरती के किसी कोने में, बाढ़ आयी है,
तो उसी समय कही और, आकाल भी पड़ा है।
कुछ भी होता है, कही भी, और किसी भी समय,
उसे ना कोई मनुष्य रोक सका है और नाही बदल पाया है।
समय पर केवल परमेश्वर का ही पूरा नियंत्रण है,
क्योंकि सबकुछ अपने ही सही समय पर होता है।
सभोपदेशक ३:११ उसने सबकुछ ऐसा बनाया कि अपने अपने समय पर वे सुंदर होते है।

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मैं यह गवाही देना चाहती हूँ, कि वसई की जमीनपर चलने के बाद, परमेश्वरने मेरे जीवन में महान चीजें किये है। ब्रदर आयवन ने हमे बताया कि कैसे जयजयकार की पुकार के बाद यरीहो शहर की दिवारें गिर पड़ी। हमे वसई मी जमीन पर छः बार शांति से घूमना था। और सातवी बार हमने जोर से परमेश्वर की जयजयकार की उस विजय के लिए जो उन्होंने हमे पहले ही दी थी। और मेरा यह मानना है, कि परमेश्वर वहाँ मौजूद थे। सातवाँ चक्कर लेते ही, ऐसा लगा जैसे हमारे जीवन की हर एक यरीहो की दीवार टूटकर गिर पड़ी है और उस दिन हमे जीत मिल गयी। मेरा विश्वास है कि प्रत्येक व्यक्ति जो वसई की जमीन पर चला, उसने परमेश्वर का अलौकिक आशिर्वाद पाया। वसई की जमीन पर चलने के बाद, दूसरे दिन मेरी माँ ने मुझे यह खुश खबर दी कि मुझे इंडिया अंडर १९ में चुना गया है। यह वसई की जमीन पर चलने के बाद हुआ। मैने परमेश्वर से इंडिया कैप (टोपी) माँगी थी और परमेश्वरने मुझे यह विजय दे दी। और यह केवल एक शुरुआत है, परमेश्वर के महान कार्य की, मेरे जीवन में।

–जेमीमाह रॉड्रिक्स

मैं वसई केवल इस लिए जाता हूँ क्योंकि मुझे मेरा बल वापस मिलता है। वह गर्मी और तेज धूप का दिन था। जो वसई के जमीन पर थे, वे पूरी उर्जा के साथ चल रहे थे। मैं और ७ चक्कर (राउन्ड) लेना चाहता था। हमे भूख भी नहीं लग रही थी। हम लगातार चल सकते थे, इस प्रकार की उर्जा हमने हमारे अंदर पायी। हर बार जब मै बुधवार की प्रार्थना सभामें आता हूँ, तो यहाँ से चार्ज हो कर जाता हूँ। वैसे ही जो लोग वसई जाते है, वे पूर्ण रुप से चार्ज हो जाते है। मैं बहुतायत से आशिर्वादित हुआ हूँ। जब मैं वसई के जमीन पर चल रहा था तब परमेश्वरने मुझे मेरे जीवन के सर्वोत्तम आशिर्वादों की याद दिलाई – मेरी पत्नी और मेरे बच्चे। हम परमेश्वर से कहते है, कि वे हमे आशिर्वादित करें परंतु हम उन आशिर्वादों को स्वीकारना भूल जाता है, जो उन्होंने पहलेसे ही हमारे जीवन में उंडेले है। हम चमत्कार, घर के बाहर ढूँढते है, जबकि सच तो यह है कि वह घर के अंदर ही है। एक बार अगर हम इस बात को समझले, तो सचमुच लोगे परमेश्वर के और भी करीब आयेंगे।

–विणेश पेपरवाला

मेरी बाई जांघ पर, जोड़ों के पास एक छोटी सी गांठ थी। पहले बुधवार जब ब्रदर मैन्युएल यू.एस. (अमेरिका) में थे, तब मुझे मेरी चंगाई मिली। मै येशू का धन्यवाद करता हूँ, कि उनकी मदत से मुझे एच.एस.सी की परिक्षा में ७८% मिले। मैं ब्रदर मैन्युएल और उन सभी का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की। जब मै पढ़ाई कर रहा था तब केवल परमेश्वर का अभिषेक मुझ पर था। उन्होंने मुझे अनुग्रह दिया ताकि मैं सबकुछ याद रखू और इंतिहान में लिख सकू। धन्यवाद, येशू।

–इनोक रॉड्रिक्स

पिछले बुधवार, जब मैं प्रार्थनासभा में आया था, तब मेरे अंतरात्मा में आवाज गुंजी कि जाओ और बीज बोओ। ब्रदर मैन्युएल का शिक्षण भी आज्ञापालन और रजामंदी पर था। तो मै भी परमेश्वर के वाणी के प्रति आज्ञाकारी रहा। लेकिन मै नहीं जानता था, कि बोने के लिए पैसे कहाँ से आऐंगे। मैंने ब्रदर मैन्युएल को मेसेज किया कि मेरे पास पैसे नहीं है, ताकि मै वसई के जमीन के लिए बीज बो सकू। ब्रदर ने मुझ से कहा कि तुम लगातार प्रार्थना करो और परमेश्वर उपलब्ध करेंगे। और वैसा ही हुआ। रविवार के दिन, मै जमीन पर चला और सोमवार को मुझे यह खबर मिली कि मेरे जमा खाते (अकाउंट) में कुछ पैसे ट्रान्सफर किये गये है। और आज मैने वसई के लिए पैसे भर दिये।

–मार्सेलिनो मेंडोंसा

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

गोवा शुभसमाचार घोषणा
जुलाई ११-१२ २०१५

मुंबई रिट्रिट
अगस्त १-२ २०१५

मुख्यकार्यालय
एस-4, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लॉट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत
बुधवार कि प्रार्थना सभा
अधिक जानकारी के लिये कॉल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers